अनुक्रमणिका

साहित्य रत्न मासिक ई-पत्रिका मार्च-2024

संपादकीय-

रामअवतार बैरवा

राहुल द्विवेदी 'स्मित'

गीत-

1- राजेश शर्मा
2- पुष्पलता शर्मा
3- त्रिलोक सिंह ठकुरेला
4- डॉ. बिपिन पाण्डेय
5- उर्वशी कर्णवाल
6- राघव शुक्ल
7- दिनेश कुशभुवनपुरी
8- करन सिंह
9- अवनीश त्रिपाठी
10- मनोज 'मानव'
11- धीरज श्रीवास्तव
12- छाया त्रिपाठी ओझा
13- अजय प्रसून
14- चन्द्रगत भारती
15- सुनील त्रिपाठी
16- योगेश शुक्ल
17- आरोही श्रीवास्तव
18- ममता लड़ीवाल
19- सुरजीत मान जलईया सिंह
20- मुकेश कुमार मिश्र
21- नीरज शर्मा
22- प्रदीप कुमार 'दीप'
23- गीता वर्मा 'गीत'

पता नहीं है

पता नहीं है, लोगों को
क्यों अचरज होता है
जब भी कोई गीत प्यार का
मैं गा देता हूँ

प्यार कूल है प्यार शूल है
प्यार फूल भी है
प्यार दर्द है प्यार दवा है
प्यार भूल भी है
मेरे लिए प्यार की इतनी
भागीदारी है
इसको लेकर अपनी रीती
नैया खेता हूँ

प्यार एक सीढ़ी है
इस पर चढ़ना ही होता
प्यार एक पुस्तक है
इसको पढ़ना ही होता
धरती का कण-कण जब मुझसे
रूठा लगता है
गा कर गीत प्यार के ही
मन समझा लेता हूँ

प्यार दया है प्यार धर्म है
प्यार फ़र्ज भी है
प्यार एक जीवन की लय है
प्यार मर्ज़ भी है
जब भी किया प्यार पर मैंने
न्योछावर खुद को
मुझे लगा है सब हारे
मैं एक विजेता हूँ

मयंक श्रीवास्तव (भोपाल म.प्र.)

ISSN:2583-8849